Vol 1 Issue 10 July 2012

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies,
Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Sanjeev Kumar Mishra

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Awadhesh Kumar Shirotriya

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.oldror.lbp.world

Review Of Research
Vol.1,Issue.10 , July; 12pp.1-4
ISSN:-2249-894X

Available online at www.lbp.world

ORIGINAL ARTICLE

पंचायती राज एवं म.प्र. में पंचायती राज व्यवस्था की संरचना

प्रमोद कुमार सिंह
शोधार्थी
राजनीति विज्ञान , अवधेश प्रताप सिंह वि. वि. रीवा (म. प्र.)

सारांश–

प्रस्तुत शोध पत्र में पंचायती राज एवं मध्यप्रदेश राज्य में पंचायती राज व्यवस्था की संरचना, परिभाषा, उसके उद्देश्य आदि के बारे में चर्चा की गई है। पंचायती राज की त्रिस्तरीय संरचना एवं स्वरूप पर भी प्रकाश डाला गया है।

पंचायती राज का अर्थ एवं परिभाषा

पंचायती राज्य वास्तव में लोकतंत्र की मूल अवधारणा जिसके तहत जनता द्वारा जनता के लिये जनता से चुने प्रतिनिधि जनता की आवश्यकता एवं मंशा के अनुरूप कार्य करते हैं की भावना का ही सांगोपांग है। पंचायती राज्य में ग्रामों को राज्य की सूक्ष्म इकाई मानते हुये वहां के जनरूप या जनसमूह को अपने बीच से प्रतिनिधि चुनने की शक्ति देती है। जो वहां के विकास हेतु स्वयं एवं ग्राम के सभी वयस्क व्यक्तियों की सभा ग्रामसभा द्वारा विकास के कार्यकलपों का विमोचन एवं क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न करते है।

गांधी जी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना में प्रत्येक ग्राम को इस तरह से निर्मित करना था जिसके निवासी स्वयं अपने संसाधनो का उपयोग कर स्वयं आत्मनिर्भर हो सके ग्राम की आवश्यकताओं के अनुरूप उनका विकास किया जा सके एवं आत्म निर्णय के साथ–साथ आर्थिक एवं राजनैतिक चेतना का उदय हो सके।

पंचायती राज्य का उद्देश्य

पंचायती राज्य का उद्देश्य वास्तव में सत्ता का ऐसा विकेन्द्रीकरण है जिसमें व्यक्ति अपने विकास एवं समृद्धि के चयन का निर्णय विकेन्द्रीकरण है जिसमें व्यक्ति अपने विकास एवं समृद्धि के चयन का निर्णय स्वयं करता है''

उपरोक्त परिभाषा के अध्ययन में उपका आशय यह नही है कि व्यक्ति स्वेछाचारी हो सकता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर आत्म निर्भर एवं समृद्धिवान होने के अर्थ से निहित किया गया है। देश कान परिभाषा एवं आवश्यकतानुसार यदि कोई समूह अपनी आवश्यकताओं क परिपूर्ति हेतु लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत अपने में से कुछ प्रतिनिधियों का चयन मतदान प्रक्रिया द्वारा करता है एवं वे प्रतिनिधि परस्पर सहयोग से किसी ग्राम की आवश्यकता एवं आकांक्षा की पूर्ति हेतु राज्य सरकार या केन्द्र सरकार से मिलकरहल करने का प्रयास करते हैं तो यह सम्पूर्ण व्यस्था पंचायती राज को परिभाषित करती हुई प्रतीत होती है।

पंचायती राज को परिभाषित करते हुये पण्डिंत आदित्य प्रसाद ने लिखा है कि ''स्थानीय स्तर में जन लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना ही पंचायती राज्य की व्यवस्था कहलाती है।

पंचायती शब्द की व्याख्या करते हुये डॉ. धुव द्विवेदी ने कहा है। राज्य के संचालन हेतु राज्य विधान मण्डल जिस तरह विकास हेतु बीस सूत्रीय कार्यक्रम एवं पंचवर्षीय योजनाओं के क्रियान्वयन के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दृष्टिगोचर हो रहा। जिससे यह स्पष्ट है कि हमारे कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं समस्या के समाधान में कुछ कभी जरूर है।

Please cite this Article as : *प्रमोद कुमार सिंह ,पंचायती राज एवं म.प्र. में पंचायती राज व्यवस्था की संरचना* **: Review Of Research (July; 2012)**

इन्ही समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुये राज्य की मूल इकाई से मिलकर समस्या के समाधान हेतु लोकतंत्रात्मक व्यवस्था के तहत ग्राम के सभी व्यक्ति परस्पर अपनी आवश्यकताओं एवं समस्याओं को स्वयं चिन्हित कर स्वयं के निर्णय के अनुसार उसे हल करने का प्रयास ही पंचायती राज व्यवस्था का सर्वमान्य हल समझा जाना उचित एवं तर्क संगत होगा।

पंचायती राज की त्रिस्तरीय संरचना तथा स्वरूप

पंचायती राज की स्थापना हेतु संविधान के 73 वें संशोधन के समय राज्य को जिला इकाइयों में, जिला को ब्लाक इकाइयों में एवं ब्लाक को ग्राम इकाइयों में विभक्त कर उनमें स्थानीय स्त्र पर निर्वाचन पद्धति का उपयोग कर स्वशासन करने की व्यवस्था पर जोर दिया गया है। ग्राम स्तर, ब्लाक स्तर एवं जिला स्तर पर निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार चयनित प्रतिनिधियों द्वारा संविधान के द्वारा प्रदत्त शक्तियों एवं अधिकारों के आधार पर शासन प्रक्रिया पंचायती राज व्यवस्था कही जाती है। चूकि इस स्वशासन में तीन स्तर परस्पर एक दूसरे में सम्मिश्रित होते है। अतः इस व्यवस्था को त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था कहा जाता है।

त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का स्वरूप एवं क्रियाविधि

1. ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत,
2. ब्लाक स्तर पर जनपद पंचायत,
3. जिला स्तर पर जिला पंचायत,

3)मध्यप्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था की संरचना

पंचायती राज व्यवस्था का उद्देश्य लोगों के संगठनों को वास्तविक शक्तियां सौंप कर लोकतंत्र को ग्रामीण स्तर तक ले जाना है। जिसके अन्तर्गत बलवन्व राय मेहता की अध्यक्षता में गठित समिति की मुख्य सिफारिश के अनुसार सामुदायिक विकास की योजनाओं को लोकप्रिय और अधिक प्रभावी बनाने के लिये ग्रामीण स्तर पर सत्ता का विकेन्द्रीकरण करना निर्धारित किया गया था। भारत में इसका शुभारम्भ 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौरे तहसील से हुआ था। एवं मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम आधुनिक पंचायती राज की स्थापना 1962 को हुई थी। मध्यप्रदेश में लागू पंचायती राज व्यवस्था में त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली लागू की गई है जिसके अनुसार–

1. ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत
2. ब्लाक स्तर पर जनपद पंचायत
3. जिला स्तर पर जिला पंचायत

ग्राम पंचायत

यह पंचायती राज व्यवस्था का प्रथम स्तर है 1000 से अधिक आबादी पर एक ग्राम पंचायत का गठन किया जाता है ग्राम पंचायत में सदस्यों है ग्राम पंचायत में सदस्यों की न्यूनतम संख्या 10 एवं अधिकतम संख्या 20 तक हो सकती है। ग्राम पंचायत का प्रधान सरपंच होता है जिसका चुनाव ग्राम सभा के सदस्यों द्वारा लोकतांत्रिक विधि के द्वारा मतदान कर पंच एवं सरपंच का चुनाव किया जाता है। इस समय मध्यप्रदेश में 19000 ग्राम पंचायते कार्य कर रही है जो शासन की सबसे छोटी परन्तु महत्वपूर्ण इकाई है।

जनपद पंचायत

यह पंचायती राज व्यवस्था का मध्यम स्तर है। मध्यप्रदेश में ब्लाक स्तर पर जनपदपंचायतों का गठन किया जाता हैं जनपद सदस्यों का चुनाव वहां की जनता के द्वारा प्रत्यक्षरूप से मतदान प्रक्रिया द्वारा किया जाता है। जनपद सदस्य अपने मे से एक अध्यक्ष एवंउपाध्यक्ष का चयन करते है। इसके अलावा जनपद पंचायत क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायतों के सरपंच (पदेन) स्थानीय संसद, विधायक एवं विधान परिषद के सदस्य (मताधिकार रहित एवं मताधिकारसहित) महिला प्रतिनिधि, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्य नगर पालिका एवं सहाकारी समितियों का प्रतिनिधित्व करते वाला सदस्य, उसका अध्यक्ष एक गैर सरकारी व्यक्ति होता है। जिसका चुनाव समिति के सदस्यों द्वारा किया जाता है।

जिलापरिषद् –

पंचायती राज व्यवस्था का यह सबसे उपर का स्तर है। राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा सम्पूर्ण जिले को

जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों में इस प्रकार विभाजित करती है। कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की जनसंख्या यथासम्भव 50,000 हो। एक निर्वावन क्षेत्र से एक सदस्य निर्वाचित होता है जिला पंचायतों में कम से कम 10 और अधिक से अधिक 35 सदस्य हो सकते है। जिला पंचायतों में जिले की जनसंख्या के अनुपात में अ.ज. व अ.ज.जा. के लिये स्थान आरक्षित हरते हैं। पिछड़े वर्गो के लिये 50 प्रतिशत या कम होने पर 25 प्रतिशत एवं एक तिहाई स्थान महिलाओं के लिये आरक्षित रहते है। जिला पंचायत के वार्डो द्वारा चयनित सदस्य, संसद एवं विधायक प्रतिनिधियों या वे स्वयं इसके सदस्य होते है। इसके अतिरिक्त सहकारी समितियों के प्रतिनिधि अनुसूचितजाति एवं जनजातियों के निर्धारित एवं चयनित सदस्य इसके सदस्य होते हैं सामान्यतः परिषद के सदस्यों के द्वारा हीइसके अध्यक्षों का चुनाव किया जाता हैं जिला विकास अधिकारी ही जिला परिषद का मुख्य कार्यकारी अधिकारी या सचिव होता है। और विभिन्न प्रशासनिक और विकास विभाग के जिला अधिकारी इसके मताधिकार विहीन सदस्य होते है इस परिषद का कार्य काल 5 वर्ष का निर्धारित है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः—

1. ग्राम पंचायत और प्रशासन — विनोबा भावे
2. महात्मा गांधी — पंचायत और न्यायिक पहलू
3. आर. एस. राजपूत — भारत में पंचायती राज
4. डॉ ओम नागपाल — राजनीति विज्ञान के मूल तत्व
5. पुखराज जैन — आधुनिक राजनीति विचारधारायें
6. देवेन्द्र उपाध्याय — पंचायती राज व्यवस्था
7. डॉ. महिपाल — पंचायती राज अतीत, वर्तमान और भविष्य सारांश प्रकाशन मयूर विहार दिल्ली 1998
8. जॉर्ज मैथ्यू — पंचायती राजलेजिशलेशन टु मूवमेंट सामाजिक विज्ञान संस्थान नई दिल्ली 1995
9. डॉ. अरूण श्रीवास्तव — भारत में पंचायती राज आर. बी. एस. ए पब्लिशर्स जयपुर 1994
10. डॉ. वल्लभ शरण — नई पंचायती व्यवस्था व संवैधानिक संसोधन और राज्य अधिनियम नई दिल्ली 1994
11. जैन फड़िया — पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में मतदाताओं का दृष्टिकोण समाज सेवा अप्रैल 1957
12. डॉ. रंजना गुप्ता — शोधग्रंथ पंचायती राज अधिनियम 1983
13. डॉ. भांभारी चंद प्रकाश — लोक प्रशासन
14. विश्वनाथ प्रसाद वर्मा — वैदिक राजनीति शास्त्र बिहारी हिन्दी ग्रंथ अकादमी पटना 1975
15. मायाराम एवं प्रीतम पाल — महिला जनप्रतिनिधिों पर प्रतिपेक्ष राजस्थान प्रकाशन 1998
16. शर्मा पी. पी. — द पालिटिक्स फिलासफी ऑफ महात्मा
17. डॉ. किरण बघेल — भारतीय समाज एवं संस्कृति पुष्पराज प्रकाशन रीवा 1979
18. डॉ. एम. एन श्रीनिवास — आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन आगरा प्रकाशन 1979
19. डॉ. राधाकृष्ण चौधरी व अन्य — भारत में स्थानीय शासन प्रकाशन मोतीलाल बनारसीदास पटना 1972
20. मधु लिमये — आरंक्षण संबधी निर्णय किसकी जीत समता पुस्तक केंद्र दिशाद गार्डेन दिल्ली 1992

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-
413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com